सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 108 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 25 मई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

कोई लोहे को नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी जंग कर सकती है! उसी तरह कोई किसी इंसान को बर्बाद नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी मानसिकता कर सकती है।

-रतन टाटा

गलत परंपरा की शुरुआत कर रही... 8 | ...जनता से ही करवा दें उद्घाटन... 3 | अदालती आदेशों को लागू करवाए... 7

संसद भवन उद्घाटन का मामला 'सुप्रीम' चौखट पर

» शीर्ष अदालत में दाखिल हुई याचिका

» पीएम के हाथों शुरुआत कराने का किया विरोध

» विपक्ष ने फिर भाजपा को घेरा

» भाजपा ने भी किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी 28 मई को होने वाले संसद भवन के उद्घाटन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट के चौखट पर पहुंच गया है। एक पीआईएल दायर करके याचिकाकर्ता ने पीएम मोदी के हाथों संसद भवन के उद्घाटन का विरोध किया है। पीआईएल में कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, लोकसभा सचिवालय ने उनसे उद्घाटन न करवाने का जो फैसला लिया है, वह गलत है, याचिकाकर्ता का नाम सी आर जयासुकिन है, पेशे से वकील जयासुकिन लगातार जनहित याचिकाएं दाखिल करते रहते हैं।

गौरलब हो कि नए संसद भवन के पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन का कांग्रेस, टीएमसी, राजद समेत 19 पार्टियों ने विरोध किया है। 28 मई को होने वाले उद्घाटन समारोह का इन पार्टियों ने बहिष्कार करने की बात कही है। उन्होंने मांग की है कि इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा किया जाना चाहिए। वहीं ,एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला नए संसद भवन का उद्घाटन नहीं करेंगे, तो उनकी पार्टी इसका विरोध करेगी। पीएम मोदी द्वारा नए संसद के उद्घाटन की बात सामने आने के बाद से इसका विरोध कर रही कांग्रेस पार्टी ने आज फिर हमला बोला है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ये एक इंसान का अहंकार है जो राष्ट्रपति से उनका हक छीन रहा है। विपक्ष के बहिष्कार करने के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने भी तीखा पलटवार किया है। एनडीए ने विपक्ष के रुख को लोकतांत्रिक लोकाचार और देश के संवैधानिक मूल्यों का घोर अपमान बताया है। एक बयान जारी कर कहा गया है कि कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दल इम मुद्दे पर गलत राजनीति कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम के साथ पूरा विपक्ष था : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के विपक्ष के फैसले पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की अपनी तीन देशों की यात्रा के समापन के बाद दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई अन्य नेताओं समेत सैंकड़ों लोगों ने उनका अभिनंदन किया। हाल ही में सिडनी में अपने सामुदायिक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ उन्हें सुनने के लिए उमड़ी, पीएम मोदी ने कहा कि न केवल ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, एंथनी अल्बनीस, दर्शकों में शामिल थे, बल्कि देश के पूर्व पीएम और पूरा विपक्ष अपने देश के लिए एक साथ था। पीएम मोदी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री भी उस समारोह में मौजूद थे, वहां विपक्ष और सत्ता पक्ष के सांसद थे, उन सभी ने सामुदायिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऑस्ट्रेलिया में भव्य स्वागत हुआ और काफी सम्मान मिला था। पीएम मोदी ने कहा कि ये सामर्थ्य इसलिए है, क्योंकि देश ने पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई है। पूर्ण बहुमत वाली सरकार का प्रतिनिधि जब दुनिया के सामने कोई बात बताता है, तो दुनिया विश्वास करती है कि ये अकेला नहीं बोल रहा है 140 करोड़ लोग बोल रहे हैं।

अशोका द ग्रेट पर मोदी द इनॉग्रेट : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना हमला तेज कर दिया है। कांग्रेस ने कहा कि एक व्यक्ति के अहंकार और आत्मप्रचार की इच्छा ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को परिसर के उद्घाटन करने के अपने संवैधानिक विशेषाधिकार से वंचित कर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा- कल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रांची में झारखंड उच्च न्यायालय परिसर में देश के सबसे बड़े न्यायिक परिसर का उद्घाटन किया, लेकिन यह एक व्यक्ति का अहंकार और आत्म-प्रचार की इच्छा है जिसने पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करने से वंचित कर दिया है। अशोका द ग्रेट, अकबर द ग्रेट और मोदी द इनॉग्रेट।

शांति भंग होगी तो बजरंग दल और आरएसएस पर लगाएंगे बैन : प्रियांक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में सरकार बदलने के साथ ही पिछली बीजेपी सरकार के फैसलों को बदलने की आहट सुनाई देने लगी है। कांग्रेस के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि बीजेपी की सरकार में स्कूल की किताबों में संशोधन और धर्मांतरण विरोधी कानून जैसे आदेश और कानून, जो राज्य के हित के खिलाफ हैं उनकी कर्नाटक में हिजाब बैन का मुद्दा एकबार फिर से सुर्खियों में है।

एमनेस्टी इंडिया ने हिजाब बैन वापस लेने की मांग की है। इस पर अब कांग्रेस सरकार की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने कहा कि अगर राज्य की शांति भंग होती है तो उनकी सरकार बजरंग दल और आरएसएस जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगा देगी। अगर बीजेपी नेतृत्व को यह अस्वीकार्य लगता है, तो वे पाकिस्तान जा सकते हैं।

बीजेपी सरकार की हर नीति पर होगा विचार

बीजेपी सरकार में लाई गई हर नीति पर फिर से विचार किया जाएगा। हिजाब पर लगे प्रतिबंध को वापस लेने की मांग के बीच मंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी किए बिना कहा कि बीजेपी सरकार की उन तमाम नीतियों की समीक्षा होगी, जो संविधान और समाज की एकजुटता के खिलाफ हैं।

गहलोत के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दाखिल की रिपोर्ट

» गजेंद्र सिंह शेखावत की मानहानि के मामले पर सुनवाई 1 जून को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के मानहानि का मामले पर आज गुरुवार को राउज एवन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। दिल्ली पुलिस की जांच रिपोर्ट को कोर्ट ने स्वीकार किया है। अब कोर्ट दिल्ली पुलिस की जांच रिपोर्ट पर विचार करेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को समन जारी हो या नहीं, इस पर आदेश आ सकता है। मामले की अगली सुनवाई 1 जून को होगी। इससे पहले कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जांच के आदेश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर जांच की निगरानी करेंगे। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को तीन बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिया था।

नौ साल से किसानों को भरमा रही भाजपा

» अखिलेश बोले-अन्नदाता को सरकार तरह-तरह के नियम बनाकर उलझा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार किसानों को अब मामूली सम्मान निधि के नाम पर भी धोखा दे रही है। किसानों को उनका हक न देने के लिए सरकार तरह-तरह के नियम बनाकर उलझाती है, जिससे किसान सरकार के बनाए नए-नए नियमों, कानूनों के चक्कर में फंसा रहे। जारी बयान में सपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के नौ साल हो गए। फिर भी किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई।

भाजपा किसानों को भ्रमित करने के लिए नए- नए कार्यक्रम घोषित करती है। भाजपा सरकार में आलू किसान बर्बाद हो गया है। गन्ना की लागत बड़ी पर सरकार ने गन्ने की कीमत नहीं बढ़ाई। गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर अभी भी हजारों करोड़ रूपये बकाया है। गन्ना किसान परेशान है। इसी तरह से प्रदेश में किसानों के गेंहू की सरकारी खरीद नहीं हो पाई। भाजपा सरकार पूंजीपतियों की पोषक है।

सपा प्रत्याशियों ने भाजपा से भी मांगा समर्थन

समाजवादी पार्टी के विधान परिषद उम्मीदवार रामजतन राजभर और रामकरन निर्मल ने विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष के विधायकों से भी वोट मांगना शुरू कर दिया है। उन्होंने भाजपा सहित सभी दलों के प्रत्याशियों को पत्र लिखकर अपनी अंतरात्मा की आवाज पर चुनाव में वोट करने की अपील की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि विधायक अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर चुनाव में वोट करें। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, संजय निषाद, स्वतंत्र देव सिंह, ओम प्रकाश राजभर, अनिल राजभर समेत सहित सभी विधायकों को पत्र भेजा गया है। पत्र में भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा गया है कि भाजपा की सामाजिक नीति में भारी खोट है। भाजपा में गरीबों और दलितों के लिए कोई स्थान नहीं है। भाजपा हमेशा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है। भाजपा न सबको साथ लेकर चलती है और न ही सबका विकास चाहती है। उन्होंने भाजपा पर आरक्षण विरोधी, दलित-पिछड़ा विरोधी होने का भी आरोप लगाया गया है।

जहां सत्ता का अभिमान हो लेकिन विपक्ष का मान नहीं, वहां क्या जाना

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव संसद विवाद में कूद गए हैं। उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया कि भाजपाइयों द्वारा संसद के दिखावटी उद्घाटन से नहीं बल्कि वहां पर लिखे श्लोक की मूल भावना को समझकर सभी को सुनने व समझने का बराबर अवसर देना ही सच्ची संसदीय परंपरा है। जहां सत्ता का अभिमान हो लेकिन विपक्ष का मान नहीं, वो सच्ची संसद हो ही नहीं सकती है। उसके उद्घाटन में क्या जाना? इसके साथ ही उन्होंने संस्कृत का श्लोक भी ट्वीट किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार को संविधान का सम्मान बनाए रखना चाहिए। राष्ट्रपति अपने देश का संवैधानिक प्रमुख होता है।

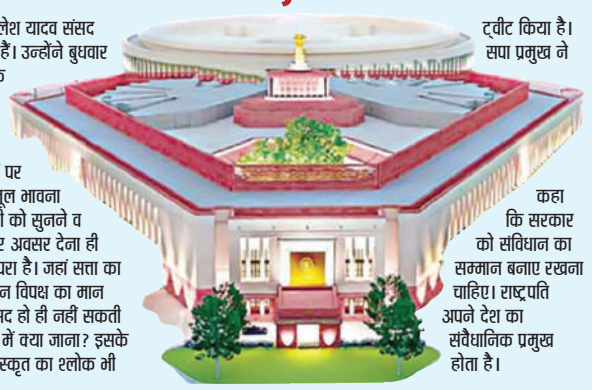

सपा अध्यक्ष ने एक लाख का चेक देकर की पीड़ितों की मदद

मुरादाबाद के कुंदरकी के ग्राम पंडिया निवासी छात्रा और उसके परिजनों ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। सपा अध्यक्ष ने उन्हें सहायता के रूप में एक लाख का चेक किया। मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधायक नगीना मनोज पारस आदि मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी ने कुंडा से पार्टी प्रत्याशी रहे गुलशन यादव को प्रतापगढ़ का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष और अब्दुल कादिर जिलानी को जिला महासचिव मनोनीत किया है। यह जानकारी सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने दी।

यूपी में विकास के सरकारी दावे हवा-हवाई : मायावती

» बोलीं-गरीबों की तरक्की को लेकर ईमानदार नहीं सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी अध्यक्ष मायावती अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव के दृष्टिगत पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की तैयारियों में जुट गई है। इस संदर्भ में उन्होंने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर व झारखंड के पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर इन राज्यों में बसपा की तैयारियों और संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की।

मायावती ने कहा कि इन राज्यों में गरीबों, मजदूरों, उपेक्षितों और शोषितों के हालात बदतर होते जा रहे हैं। गरीबों, मेहनतकशों की तरक्की को लेकर सरकारों की नीयत में ईमानदारी नहीं है। यह बहुप्रचारित विकास के सरकारी दावे की पोल खोलता है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना दिए जाने से अनुसूचित जाति/ जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोग चिंतित और उद्वेलित हैं। बैकलाग के पद नहीं भरे जाने से भी इन वर्गों-समुदायों का सरकारों के प्रति अविश्वास बढ़ा है। इन परिस्थितियों में बसपा को अपना मिशनरी प्रयास और तेज करना होगा।

भले इंसान को तानाशाह मारने पर तुला : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन जो बीते 9 महीने से ज्यादा वक्त से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी को लेकर अब आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार पर हमलावर है। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे तानाशाही बताया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, जो इंसान जनता को अच्छा इलाज और अच्छी सेहत देने के लिए दिन-रात काम कर रहा था, आज उस भले इंसान को एक तानाशाह मारने पर तुला है।

उस तानाशाह की एक ही सोच है- सबको खत्म कर देने की, वो सिर्फ मैं में ही जीता है। वो सिर्फ खुद को ही देखना चाहता है। केजरीवाल ने आगे लिखा, भगवान सब देख रहे हैं, वो सबके साथ न्याय करेंगे। ईश्वर से सत्येंद्र जी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। भगवान उन्हें इन विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की शक्ति दें।

यूपी के मंत्री भी लड़ेंगे लोकसभा का चुनाव : भूपेंद्र सिंह चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आगामी लोकसभा चुनाव में योगी सरकार के कुछ मंत्रियों को भी चुनाव लड़ाने के संकेत दिए हैं। वहीं कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटे जाने पर भी मंथन चल रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों के अनुसार योगी सरकार के कुछ मंत्रियों को भी लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। इनमें पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को शाहजहांपुर या धौरहरा, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान को फतेहपुर, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से लड़ाए जाने की चर्चा है। वहीं भाजपा कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटकर नए चेहरों को मौका देगी।

75 वर्ष की आयु पूरी होना हो सकती है वजह

इनमें 75 वर्ष की आयु पूरी होने के कारण कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी, देवरिया के सांसद रमापति राम त्रिपाठी, बरेली के सांसद संतोष गंगवार, मथुरा की सांसद हेमा मालिनी, प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के टिकट कटने की चर्चा है। वहीं पार्टी में सक्रिय नहीं रहने के कारण पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी का टिकट कटने की चर्चा भी तेज है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि लोकसभा चुनाव में मंत्रियों को भी चुनाव लड़ाया जा सकता है, लेकिन इसका निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ सांसदों के टिकट काटे जाएंगे तो कुछ नए चेहरों को मौका भी मिलेगा। उधर, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, देवरिया के विधायक शलभमणि त्रिपाठी, मथुरा से विधायक व पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, सरोजनी नगर से विधायक राजेश्वर सिंह, मांट से विधायक राजेश चौधरी को भी लोकसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है।

अधिकारियों से व्यवहार सुधारें केजरीवाल

शीला सरकार का सुनाया एक संस्मरण

» अजय माकन बोले- कभी-कभी उन्हें चाय-पकौड़े पर बुलाएं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय माकन ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की कार्यशैली के जरिये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आईना दिखाया। माकन ने ट्वीट किया कि अधिकारियों से व्यवहार सुधारकर केजरीवाल सकारात्मक कार्य कर सकते हैं। अधिकारियों के साथ सम्मानपूर्वक ढंग से बात करने की नसीहत दी।

माकन ने केजरीवाल को चाय-पकौड़े का फार्मूला भी बताया और कहा कि यदि वे ईमानदार हैं, तो निश्चित रूप से आपके साथ मिलकर काम करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के मुद्दे पर माकन ने ट्वीट किया कि अधिकारियों के साथ संवाद जरूरी है। कभी-कभी उन्हें चाय-पकौड़े पर बुलाना चाहिए। माकन ने शीला के साथ एक दिन नामक शीर्षक से लिखे एक संस्मरण के जरिये केजरीवाल सरकार को नसीहत दी। उन्होंने लिखा कि 2000 के दशक की शुरुआत में वे तत्कालीन सीएम शीला दीक्षित की अगुआई में परिवहन, बिजली और पर्यटन मंत्री थे। उन्हें एक दिन खबर मिली कि परिवहन आयुक्त सिंधुश्री खुल्लर का तबादला कर दिया गया है, जिससे सार्वजनिक परिवहन को सीएनजी में बदलने के काम में बाधा आ सकती थी। वह यह सोचकर परेशान थे कि अब क्या होगा। माकन ने शीला दीक्षित से बात की और कहा, मैडम आपने परिवहन आयुक्त को बदल दिया है। इससे सार्वजनिक परिवहन को सीएनजी में बदलने के काम में बाधा आ सकती है। शुरू में शीला को भी खुल्लर के ट्रांसफर का भरोसा नहीं हुआ, लेकिन बाद में पता चलने पर उन्होंने इस मुद्दे पर एलजी से मिलने का फैसला किया।एलजी फैसला बदलने के लिए तैयार नहीं थे, जिसके बाद फिर शीला ने केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाकर मदद मांगी, लेकिन फैसला नहीं बदला गया।

संदीप दीक्षित ने भी बोला हमला

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने भी केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की नाकाम सरकार है। वह भ्रष्टाचार के दलदल में नीचे तक दबे हुए हैं। किसी भी दिन हो सकता है कि एक चुनी हुई सरकार का मुख्यमंत्री आठ-दस दिन के लिए जेल चला जाए। ऐसा कोई और दूसरा मुख्यमंत्री नहीं है, जो इतना असभ्य हो। वह खराब भाषा का इस्तेमाल भी करते हैं।

...जनता से ही करवा दें उद्घाटन !

- नए संसद भवन के उद्घाटन पर रार
- विपक्ष ने लगाया भाजपा पर राष्ट्रपति के अपमान का आरोप
- सभी सियासी दलों का कहीं पे निगाहें कही पें निशाना
- स्पीकर के आसन के पास लगेगा सेंगोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के नए संसद भवन को लेकर सियासी संग्राम जारी है। हालांकि, केंद्र सरकार इस समारोह को भव्य बनाने में जुटी हुई है, लेकिन विपक्षी दल इस उद्घाटन समारोह का विरोध कर रहे हैं। विवाद से इतर देखा जाए तो विपक्ष की मांग अनुचित नहीं है। संसद सांसदों के लिए बना है। सांसदों का संरक्षक लोक सभा, राज्य सभा अध्यक्ष होता है। जबकि संसद के दोनों सदनों व देश का संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति होता है ऐसे में उनके द्वारा उद्घाटन करवाना सर्वथा उचित है। चूकि सरकार बीजेपी की है और सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं इसलिए संसद का उद्घाटन पीएम करना चाहते हैं। कुल मिलाकर उद्घाटन के बहाने सियासत जोरों पर है। ज्यादा अच्छा होगा की उद्घाटन राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष व विपक्ष के नेता संयुक्त रुप से कर दें। ऐसा करके देश के इस मंदिर को भारत की जनता को समर्पित कर एक मिसाल कायम कर सकते हैं। वहीं विवादों के बीच आमजन में यह भी चर्चा है कि संसद में जनता के प्रतिनिधि बैठते हैं ऐसे उसका उद्घाटन आम जन से भी करवाया जा सकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन होगा और इस दौरान सेंगोल को स्थापित किया जाएगा। ऐसे में भारत के राजदंड सेंगोल का अचानक नाम सामने आने के बाद इसे लेकर चर्चाएं होने लगी है कि आखिर सेंगोल क्या है, जिसे नए संसद भवन में स्थापित किया जाएगा। दरअसल, राजदं सेंगोल भारत की स्वतंत्रता से जुड़ा एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक प्रतीक है। जब अंग्रेजों ने भारत की आजादी का एलान किया था तो सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर सेंगोल का इस्तेमाल किया गया था। लॉर्ड माउंटबेटन ने 1947 में सत्ता के हस्तांतरण को लेकर नेहरू से सवाल पूछा कि सत्ता का हस्तांतरण कैसे किया जाए।इसके बाद नेहरू ने सी राजा गोपालचारी से राय ली। उन्होंने सेंगोल के बारे में जवाहर लाल नेहरू को जानकारी दी। इसके बाद सेंगोल को तमिलनाडु से मंगाया गया और राजदंडलगेगा सेंगोल?

सेंगोल को स्पीकर के आसन के पास लगाया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि इस पवित्र सेंगोल को किसी संग्रहालय में रखना अनुचित है। सेंगोल की स्थापना के लिए संसद भवन से अधिक उपयुक्त, पवित्र और उचित स्थान कोई हो ही नहीं सकता। इसलिए जब संसद भवन देश को समर्पण होगा, उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी बड़ी विनम्रता के साथ तमिलनाडु से आए सेंगोल को स्वीकार करेंगे और लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास इसे स्थापित करेंगे।

चोल वंश से है रिश्ता

सेंगोल का इतिहास सदियों पुराना है, इसका रिश्ता चोल साम्राज्य से रहा है। इतिहासकारों की मानें तो चोल साम्राज्य में राजदंड सेंगोल का इस्तेमाल सत्ता के हस्तांतरण के लिए किया जाता था। उस दौर में जब सत्ता हस्तांतरित होती थी, तो मौजूदा राजा दूसरे राजा को सेंगोल सौंपता था। इस परंपरा की शुरूआत चोल साम्राज्य में हुई थी।तमिल में इसे सेंगोल कहा जाता है और इसका अर्थ संपदा से संपन्न और ऐतिहासिक है। सेंगोल संस्कृत शब्द संकु से लिया गया है, जिसका मतलब शंख है। सनातन धर्म में शंख को बहुत ही पवित्र माना जाता है। मंदिरों और घरों में आरती के दौरान शंख का इस्तेमाल आज भी किया जाता है।

संसद सांसदों के लिए बना है। सांसदों का संरक्षक लोक सभा, राज्य सभा अध्यक्ष होता है। जबकि संसद के दोनों सदनों व देश का संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति होता है ऐसे में उनके द्वारा उद्घाटन करवाना सर्वथा उचित है।

इलाहाबाद के एक संग्रहालय में सेंगोल

सेंगोल को इलाहाबाद के एक संग्रहालय में रखा गया था और अब नए संसद भवन में ले जाया जाएगा। अमित शाह ने बताया कि यह सेंगोल वही है जो स्वतंत्रता के समय पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को दिया गया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 14 अगस्त, 1947 की रात लगभग 10:45 बजे तमिलनाडु के अधिनाम के माध्यम से सेंगोल को स्वीकार किया। जिसके बाद इसका इस्तेमाल सत्ता हस्तांतरण के लिए किया गया। 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। इस नए संसद भवन में स्पीकर के आसन के पास में सेंगोल को स्थापित किया जाएगा। सेंगोल भारतीय परंपरा का प्रतीक है, जिसका इतिहास 1947 में हुए सत्ता के हस्तांतरण से जुड़ा हुआ है।

क्या होता है सेंगोल

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर बताया कि नए भवन में सेंगोल की स्थापना की जाएगी। अमित शाह ने बताया कि संसद भवन के उद्घाटन के साथ ही एक ऐतिहासिक परपंरा भी पुनर्जीवित होगी। इसी परंपरा को सेंगोल कहा जाता है, ये युगों से जुड़ी परंपरा है। इसे तमिल में सेंगोल कहा जाता है और इसका अर्थ संपदा से संपन्न होता है। नए संसद भवन में इसे स्पीकर के आसन के पास स्थापित किया जाएगा। संसद भवन में जिस सेंगोल की स्थापना होगी उसके शीर्ष पर नंदी विराजमान हैं। आखिर ये सेंगोल क्या होता है और इसका क्या महत्व है? आइए बताते हैं।

आजादी से जुड़ा है इतिहास

सेंगोल का इतिहास काफी पुराना है। आजाद भारत में इसका बड़ा महत्व है। 14 अगस्त 1947 में जब भारत की सत्ता का हस्तांतरण हुआ, तो वो इसी सेंगोल द्वारा हुआ था। एक तरह कहा जाए तो सेंगोल भारत की आजादी का प्रतीक है। उस समय सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक बना था। 1947 में जब लॉर्ड माउंट बेटन ने पंडित नेहरू से पूछा कि सत्ता का हस्तांतरण कैसे किया जाए। तो पंडित नेहरू ने इसके लिए सी राजा गोपालचारी से मशवरा मांगा। उन्होंने सेंगोल प्रक्रिया के बारे में बताया। इसके बाद इसे तमिलनाडु से मंगाया गया और आधी रात को पंडित नेहरु ने स्वीकार किया। सेंगोल को नए संसद भवन में स्पीकर के आसन के पास लगाया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि सेंगोल की स्थापना के लिए संसद भवन से उपयुक्त और पवित्र स्थान कोई और हो ही नहीं सकता इसलिए जिस दिन नए संसद भवन को देश को समर्पित किया जाएगा उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु से आए हुए अधीनम से सेंगोल को स्वीकार करेंगे और लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास इसे स्थापित करेंगे।

लोक सभा अध्यक्ष करें उद्घाटन : ओवैसी

वहीं असैवैसी मुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को इसका उद्घाटन नहीं करना चाहिए। अगर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नए संसद भवन का उद्घाटन नहीं करेंगे तो असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने विपक्ष द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बहिष्कार तो होना ही था। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि भवन का निर्माण इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा। सिर्फ अपना चेहरा बचाने के लिए बहिष्कार का नाटक कर रहे हैं। उन्होने कहा कि इस दिन वीर सावरकर की जयंती है। यह उनके लिए समारोह का विरोध या बहिष्कार करने का एक और कारण हो सकता है।

कांग्रेस सरकार के मुखिया कर चुकें है ऐसे उद्घाटनः हरदीप सिंह पुरी

नए संसद भवन के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगस्त 1975 में तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने संसद एनेक्सी का उद्घाटन किया और बाद में 1987 में पीएम राजीव गांधी ने संसद पुस्तकालय का उद्घाटन किया। अगर कांग्रेस सरकार के मुखिया उनका उद्घाटन कर सकते हैं, तो हमारी सरकार के मुखिया ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

अहंकार नहीं बल्कि संवैधानिक मूल्यों की ईंटों से बनी है संसद : राहुल

राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा है कि राष्ट्रपति से संसद का उद्घाटन न करवाना और उन्हें समारोह में बुलाना, यह देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संसद अहंकार की ईंटों से नहीं बल्कि संवैधानिक मूल्यों से बनी है।

राष्ट्रपति करें नए संसद भवन का उद्घाटन- भूपेश बघेल

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह के बयान पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार किया। उन्होंने कहा-संसद भवन ब्रिटिश कार्यकाल के पहले बना था और राष्ट्रपति भवन ब्रिटिश काल में बना हुआ है तो उसका उद्घाटन इंदिरा गांधी कैसे करती? अगर कोई उसके एक हिस्से का उद्घाटन करता है तो अलग बात है, लेकिन पूरे संसद का उद्घाटन करना अलग बात है। पहले जो बना था उसे नया बनाया गया है तो हमारी मांग थी कि उसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए।

ऐसा है नया संसद भवन

नई इमारत के भीतर, लोकसभा में 888 सदस्यों और राज्यसभा में 384 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था की गई है। नए संसद भवन में लोकसभा को राष्ट्रीय पक्षी मोर के जैसा और राज्यसभा को राष्ट्रीय पुष्प कमल की तहर की तरह डिजाइन किया गया है। संयुक्त सत्र के दौरान 1272 सदस्य बैठ सकेंगे। लोकसभा और राज्यसभा कक्ष में हर बेंच पर एक साथ दो सदस्य बैठ सकेंगे। हर सीट पर डिजिटल सिस्टम और टच स्क्रीन लगी है। करीब 64,500 वर्गमीटर में फैली नई संसद में भूकंप से बचाव के इंतजाम हैं। इसमें रेनवाटर हार्वेस्टिंग का भी इंतजाम है। नई संसद का डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने तैयार किया। निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने किया। नए संसद भवन के निर्माण के बाद भी पुरानी इमारत का यूज होता रहेगा। नई इमारत में एक संविधान कक्ष है जहां देश की लोकतांत्रिक धरोहर को प्रदर्शित किया जाएगा। पुस्तकालय, डाइनिंग रूप और पार्किंग की भी व्यवस्था रहेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आंशिक नोटबंदी!

यह देश में एक प्रकार की आंशिक नोट बंदी है परंतु इससे घबराने या परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि देश में प्रचलित 2000 के 90 प्रतिशत नोट आर बी आई पहले ही रिकवर कर चुकी है। अब जिस मुद्रा के परावर्तन की बात कही जा रही है उसका कुल मूल्य साठ हजार करोड़ रूपया है जो भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए समुद्र में बाल्टी भरने जैसा ही है और आर बी आई ने भी पिछली गलतियों से सीख ले कर इस बार लगभग 150 दिन पहले ही इसकी घोषणा कर दी है।

आरबीआई ने 30 सितंबर के बाद 2 हजार के नोटों को बंद करने का फैसला किया है। उसके फैसले पर एक महत्ववपूर्ण सवाल यह उठता है की जब इसे बंद ही करना था तो चलाया क्यों। इस संबंध में पहली बार हुए नोटबंदी के समय आर बी आई के तत्कालीन गवर्नर ऊर्जित पटेल ने एक प्रश्न (1000 के नोट बंद कर 2000 के नोट छपने से क्या लाभ हुआ) के उत्तर में कहा था कि मार्केट में मनी इनफ्लो बनाए रखने के लिए हमने 2000 के नोट अल्प काल के लिए छापे हैं। अर्थात यह पूर्व नियोजित था की इसे वापस होना ही है। इस तथ्य को समझने के लिए मार्केट मनी इनफ्लो को समझना आवश्यक है । बाजार में मुद्रा की उपस्थिति या उसका चक्रण वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य निर्धारण एवम उनमें स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है। अब इसको ऐसे समझिए की आपके बैंक खाते में लाखों रुपए हों लेकिन आपके जेब में 100 रुपए नहीं हैं तो आप खुले बाजार में सब्ज़ी नही खरीद पाएंगे (यदि विक्रेता के पास डिजिटल ट्रांजेक्शन की सुविधा नहीं है तो) ऐसी अवस्था में बाजार से प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जायेगी और ऐसी वस्तुएं और सेवाएं जो तात्कालिक उपयोग की होंगी उनका अवमूल्यन होने लगेगा । तो बाजार की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए मुद्रा-प्रवाह का बने रहना बहुत आवश्यक है। आर बी आई के नए दिशा निर्देशों के अनुसार 30 सितंबर 2023 के बाद 2000 के नोट लीगल टेंडर नही रहेंगे ।

यह देश में एक प्रकार की आंशिक नोट बंदी है परंतु इससे घबराने या परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि देश में प्रचलित 2000 के 90 प्रतिशत नोट आर बी आई पहले ही रिकवर कर चुकी है। अब जिस मुद्रा के परावर्तन की बात कही जा रही है उसका कुल मूल्य साठ हजार करोड़ रूपया है जो भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए समुद्र में बाल्टी भरने जैसा ही है और आर बी आई ने भी पिछली गलतियों से सीख ले कर इस बार लगभग 150 दिन पहले ही इसकी घोषणा कर दी है। उक्त तिथि तक ये नोट या तो अपने बैंक खाते में जमा किए जा सकते हैं या ?20000 की सीमा तक बैंक से सीधे बदले जा सकते हैं। जब आरबीआई ने 90 प्रतिशत नोट पहले ही रिकवर कर लिए हैं तो 10 प्रतिशत रिकवरी के लिए भी वही तरीका क्यों नहीं अपनाया गया और डेडलाइन क्यों निकाली गई। इस प्रश्न का उत्तर ही इस पूरे लेख का उद्देश्य भी है । आईएमएफ की ताजा सर्वे रिपोर्ट के अनुसार जून के अंत तक विश्व एक बड़े आर्थिक मंदी के दौर में फंस सकता है। विश्व की तीन बड़ी अर्थ व्यवस्थाएं इस मंदी का काफी बड़ा झटका झेलेंगी जिसमे अमेरिका शीर्ष पर होगा । इस वैश्विक मंदी के दो बड़े कारण हैं । एक तो अमरीकी संसद की डेट्सिलिंग दूसरा पोस्ट कोविड इकोनॉमी इफेक्ट, एक अन्य पहलू इसमें और जुड़ रहा है जिस और शायद विश्व के बड़े अर्थशास्त्रियों का नही जा रहा है वह है लगभग 1 साल से चलने वाला रूस-यूक्रेन युद्ध ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मूल्यों-आदर्शों के प्रतीक बनें जनतंत्र के मंदिर

विश्वनाथ सचदेव

जब हमारे प्रधानमंत्री विदेशों में अपने नेतृत्व को रेखांकित करने- कराने में लगे हुए थे तो देश में उन्हें लेकर एक बेमतलब का विवाद शुरू हो गया था। मुद्दा संसद के नये भवन के उद्घाटन का है। बहुचर्चित नया संसद परिसर लगभग बनकर तैयार है और अब इसे देश को लोकार्पित किया जाना है। लोकसभा के स्पीकर ने उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रित किया है। विपक्ष का कहना है कि यह कार्य देश के प्रथम नागरिक अर्थात राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। यह मांग भी गलत नहीं कही जा सकती, आखिर देश के सर्वोच्च संस्थान के उद्घाटन का मामला है। उधर प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन कराने के पक्षधरों का कहना है कि प्रधानमंत्री देश का सर्वोच्च निर्वाचित नेता होता है और यह नया संसद परिसर तो प्रधानमंत्री मोदी की प्रिय परियोजना है। कोरोना-काल में जब देश के सारे निर्माण-कार्य ठप पड़ गये थे, इस परिसर का काम नहीं रोका गया था, और निर्माण कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार इसकी निगरानी कर रहे थे। क्या बुरा है यदि उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों हो?

सवाल वाजिब है। पहले भी तो पूर्व प्रधानमंत्री संसद से जुड़े संस्थानों के उद्घाटन करते रहे हैं। 'दूरदर्शन' ने तो राजीव गांधी के हाथों होने वाले ऐसे उद्घाटन की फिल्म भी देश के सामने रख दी है। सच पूछा जाये तो यह विवाद का विषय है ही नहीं। होना ही नहीं चाहिए। पर जिस तरह की राजनीति आज देश में हो रही है, अनावश्यक मुद्दे हथियार बनाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से यदि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होता तो यह अधिक गरिमामय होता। लेकिन आज जो राजनीति हम देख रहे हैं उसमें गरिमा अथवा औचित्य के लिए स्थान ही कहां बचा है। होना तो यह चाहिए था स्वयं प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को इस कार्य के लिए आमंत्रित करते। पर जो होना चाहिए, वह होता कहां है हमारी राजनीति में? कौन जानता है कि हमारे पुराने संसद-भवन का उद्घाटन किसने किया था? और आवश्यकता भी क्या है ऐसे औपचारिक अवसरों को याद करने या याद रखने की? महत्वपूर्ण संसद-भवन नहीं संसद-भवन के भीतर होने वाली कार्यवाही है।

कौन नहीं जानता कि पिछले कुछ सालों में हमारी संसदीय कार्यवाही में लगातार गिरावट आयी है? संसद के भीतर होने वाली बहस का स्तर तो गिरा ही है, अक्सर हमने देखा है कि संसद का बहुमूल्य समय बेबात के विवादों की बलि चढ़ता रहा है। संसद के हर सत्र के बाद इस तरह के आंकड़े प्रस्तुत

किये जाते हैं जो यह बताते हैं कि संसद का कितना समय शोर-शराबे और बहिर्गमन और काम में व्यवधान डालने में बर्बाद होता है। हमारे नेताओं ने तो इस बात की भी वकालत की है कि संसद के काम में रुकावट डालना भी संसदीय कार्य-प्रणाली का हिस्सा है! यहां यह याद करना महत्वपूर्ण होगा कि यह तर्क तत्कालीन विपक्ष के नेताओं ने दिया था। अर्थात जो भी विपक्ष में होता है, इस तरह के तर्कों का सहारा लेता है। यह एक संयोग ही है कि जब नये संसद-भवन के उद्घाटन को लेकर देश में विवाद चल रहा है तो देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ केरल विधानसभा भवन के रजत-जयंती समारोह में संसद और विधानसभा सदनों में काम-काज में रुकावट डालने को राजनीतिक रणनीति का हथियार बनाने की प्रवृत्ति के खिलाफ देश को आगाह कर रहे थे। उन्होंने सदनों के अध्यक्षों से आगाह किया कि वे इस बारे में राष्ट्रीय सहमति बनाने का काम करें कि जनतंत्र के मंदिरों का उपयोग उपयोगी बहस और सार्थक कामकाज के लिए ही हो। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने इस बात को रेखांकित किया कि यदि संसद में होने वाला कार्य दूसरों को अनुकरणीय नहीं लगता तो इसका मतलब यह है कि हमारे सोच में कहीं कोई खामी है। उन्होंने विधानसभा परिसर के पुनर्विकास के लिए आधारशिला भी रखी। आधारशिला वाली बात का रिश्ता कहीं न कहीं इस तथ्य के साथ भी है कि पुनर्विकास का मतलब संसदीय परंपराओं को बनाये रखने से भी होता है। आज जब हम नये संसद-परिसर के उद्घाटन समारोह के साक्षी बन रहे हैं, इस बात का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र का हमारा मंदिर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप कार्य का उदाहरण बने। यह बात महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्घाटन किसके हाथों हो, महत्वपूर्ण यह है कि उद्घाटन के बाद वहां काम कैसा हो रहा है।

वैसे इस संदर्भ में विपक्ष यह बात भी कह रहा है कि हमारे प्रधानमंत्री को उद्घाटन-समारोहों से कुछ ज़्यादा ही मोह है। छोटे-छोटी परियोजनाओं का उद्घाटन वे स्वयं करना पसंद करते हैं। किसी राजमार्ग का उद्घाटन करना कतई ग़लत नहीं है, पर राजमार्ग के छोटे से हिस्से का उद्घाटन प्रधानमंत्री करें, यह बात कुछ उपयुक्त नहीं लगती। इसी तरह वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत प्रधानमंत्री करें यह तो समझ आता है, हर नये रूट पर वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ही हरी झंडी दिखायें यह कुछ अजीब तो लगता ही है।

चीन के दबदबे को खत्म करने की भारतीय पहल

एन.के. सोमानी

प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित 60 लाख की आबादी वाला छोटा-सा द्वीप पापुआ न्यू गिनी इन दिनों वैश्विक परिदृश्य में चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। चर्चा के दो बड़े कारण रहे हैं। पहला, विविधताओं से भरपूर इस छोटे से द्वीपीय देश ने पिछले दिनों फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) के शिखर सम्मेलन का आयोजन कर विश्व समुदाय के समक्ष अपनी नेतृत्व क्षमता का सफल प्रदर्शन किया। इस शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 14 राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। चर्चा का दूसरा बड़ा कारण पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे द्वार एयरपोर्ट पर भारत के प्रधानमंत्री के स्वागत के समय पांव छूने की तस्वीरें बनीं।

संभवत: यह पहला अवसर है, जब किसी एक देश के प्रधानमंत्री ने स्वागत की रस्म अदायगी के दौरान किसी दूसरे देश के प्रधानमंत्री के पांव छुए हों। सामान्य तौर पर अतिथियों के स्वागत की औपचारिकता हाथ जोड़कर, हाथ मिलाकर या गले लगाकर पूरी की जाती है। मारापे ने पीएम मोदी के पांव छूकर भारत और भारत के प्रधानमंत्री के प्रति जो सम्मान और शिष्टाचार प्रकट किया है, उससे चीन की पेशानी पर बल पड़ते दिख रहे हैं। पापुआ न्यू गिनी इंडोनेशिया के समीप प्रशांत महासागर क्षेत्र में एक स्वतंत्र राष्ट्र है, जो दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यह क्षेत्र भयानक जंग का मैदान बना हुआ था। यहां सोने, तांबे और अन्य खनिज संसाधनों के बड़े भंडार हैं। विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति के कारण यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से भी खास अहमियत रखता है। ऑस्ट्रेलिया के उत्तर में स्थित होने के कारण सामरिक रूप से पापुआ न्यू गिनी महत्वपूर्ण द्वीप माना जाता है। कई दशकों से यह द्वीप अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम जैसी बड़ी महाशक्तियों के लिए दिलचस्पी का कारण बना रहा है। लेकिन अब एक-डेढ़ दशक से अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों ने पापुआ न्यू गिनी को अपनी विदेश नीति में हाशिये पर धकेल दिया।

चीन की नजरें पहले से ही इस द्वीप पर थीं। उसे अपने विस्तारवादी मंसूबों को साधने और रणनीतिक रूप से खुद को मजबूत करने का स्पेस मिल गया। वह यहां सैन्य और राजनयिक प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उसने अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत यहां निवेश कर रखा है। उसकी नजर पापुआ न्यू गिनी के संसाधनों पर भी है। पिछले साल नवंबर में बैंकॉक में पापुआ न्यू गिनी के पीएम के साथ बैठक में चीनी राष्ट्रपति ने मारापे को अपना अच्छा दोस्त और अच्छा भाई बताते हुए कई क्षेत्रों में सहयोग का आश्वासन दिया था। शी ने उन्हें चीन आने का न्योता भी दिया।

संक्षेप में कहें तो 1980 के दशक में चीन-पापुआ न्यू गिनी के बीच शुरू हुआ आर्थिक संबंधों का यह सिलसिला अब सुरक्षा और रणनीतिक मसलों तक पहुंच गया है। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते में भी बंधे हुए हैं, जो दोनों के बीच करीबी संबंधों को दिखाता है। चीन का बढ़ता प्रभाव क्षेत्र न केवल ऑस्ट्रेलिया बल्कि पूरे इंडो पैसिफिक रीजन के लिए घातक हो सकता है। खासकर क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका) देशों के लिए। यही वजह है कि अब अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ भारत ने भी अपनी विदेश नीति में प्रशांत द्वीप के देशों के साथ संबंध बढ़ाने की शुरुआत की है। वहीं भारत ने 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार के समय शुरू की गई लुक ईस्ट पॉलिसी को 2014 में एक्ट ईस्ट पॉलिसी में बदल दिया है। फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉ-ऑपरेशन (एफआईपीसीआई) को भी इसी से जुड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है। एफआईपीसीआई का गठन 2014 में पीएम मोदी की फिजी यात्रा के दौरान किया गया था। इसमें 14 देशों के नेता भाग लेते हैं, जिनमें कुक आइलैंड्स, फिजी, किरिबाती, मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, नीयू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा, तुवालू और वानुआतु शामिल हैं।

जहां तक भारत-पापुआ न्यू गिनी संबंधों का सवाल है, तो भारत ने करीब अढ़ाई दशक पहले अप्रैल, 1996 में यहां अपना उच्चायोग शुरू किया था। इसके दस साल बाद 2006 में पापुआ न्यू गिनी ने भी भारत में अपना उच्चायोग शुरू किया। वर्ष 2016 में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पापुआ न्यू गिनी का दौरा करने वाले पहले भारतीय नेता थे। भारत पापुआ न्यू गिनी को टेक्सटाइल, मशीनरी, खाद्य पदार्थ, दवा, सर्जिकल उपकरण, साबुन, वॉशिंग पाउडर जैसे जरूरी सामान निर्यात करता है। दूसरी ओर, भारत कॉफी, टिंबर, समुद्री उत्पादन, सोना, कांसे जैसी जरूरी चीजें पापुआ न्यू गिनी से आयात करता है। पापुआ न्यू गिनी अक्सर ज्वालामुखी, भूकंप और समुद्री तूफान का शिकार रहा है। संकट के समय व अन्य जरूरी मौकों पर भारत पापुआ न्यू गिनी को मानवीय सहायता भी देता रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने पापुआ न्यू गिनी को कोरोना वैक्सीन की एक लाख 31 हजार खुराक दी। जाहिर है, भारत सामरिक रूप से इस छोटे देश के साथ संबंधों को रणनीतिक व आर्थिक स्तरों के जिस मुकाम तक ले जाना चाहता हैं।

कटे फलों पर नमक या चीनी डालकर खाना है हानिकारक

क्या आपने गर्मियों में तरबूज पर नमक छिड़क कर या अमरूद पर चाट मसाला मिलाकर खाया है? खरबूजे में चीनी मिलाकर स्वाद लिया है? अक्सर लोग ताजे फलों को काटकर खाते हैं या उनका सलाद बनाते हैं। फ्रूट सलाद बनाने के लिए कटे हुए फलों पर लोग चाट मसाला या नमक छिड़कते हैं। इससे फल का स्वाद बढ़ जाता है। घर पर प्याज, खीरा आदि भी काटकर सलाद बनाते हैं और उसमें नमक मिलाते हैं। कई बार फल की मिठास को और बढ़ाने के लिए लोग कटे फलों में चीनी मिला लेते हैं। अगर आपको भी कटे फलों में ऊपर से शक्कर, नमक या चाट मसाला डालकर खाना पसंद है तो सावधान हो जाइए। इस तरह के फलों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। फल के सेवन का सही तरीका जानें ताकि सेहत पर बुरा असर न पड़े।

शक्कर के साथ सेवन के नुकसान

फल में प्राकृतिक मिठास होती है। फलों में ग्लूकोज भी पाया जाता है, जो कैलोरी बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप कटे फलों में ऊपर से चीनी मिलाते हैं, जो शरीर में मिठास की मात्रा अतिरिक्त हो जाती है। इससे डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। अतिरिक्त शर्करा से वजन भी बढ़ता है। जो मरीज मधुमेह से पीड़ित हैं उनके लिए फलों में ऊपर से चीनी मिलाकर खाना नुकसानदायक हो सकता है।

फल खाने का तरीका

अक्सर लोग खाने के साथ फलों का बना सलाद खाते हैं। भारतीय भोजन में कार्ब और कैलोरी भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन जब हम भोजन के साथ फल का सेवन करते हैं तो कार्ब और कैलोरी बढ़ जाती है। ऐसे में भोजन में कार्ब की मात्रा को कम करके फल साथ में खा सकते हैं। वरना खाना और फल को एक साथ मिक्स करके न खाएं। फलों का सेवन करने के बाद कम से कम 45 मिनट से लेकर एक घंटे तक किसी भी तरह के हेवी फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही जब भी आप फलों का सेवन करें, तो आप खाली पेट ही करें, क्योंकि अगर आप खाली पेट फल खाते हैं, तो यह आसानी से पच जाता है और सभी पोषक तत्व आसानी से अवशोषित हो जाते हैं। फलों का सेवन हमेशा चबाकर करना चाहिए। साथ ही फलों को साबुत ही खाएं। क्योंकि साबूत फल खाने से आप उनके रेशों को भी खाते हैं, जो पाचन तंत्र को हेल्दी रखने में मददगार साबित होते हैं।

नमक के साथ खाने के नुकसान

कटे फल पर नमक छिड़कने पर वह पानी छोड़ने लगता है। इससे फल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स खत्म हो जाते हैं। वहीं नमक या चाट मसाले में मौजूद सोडियम किडनी पर असर करता है। अगर आप नमक के साथ चाट मसाला भी मिलाते हैं, तो शरीर में सोडियम की मात्रा ज्यादा हो जाती है, क्योंकि चाट मसाले में भी नमक होता है।

हंसना मना है

पिता ने पूछा- बेटा तू फेल कैसे हो गया? बेटा- पापा पेपर में प्रश्न ही ऐसे आए थे जो मुझे पता नहीं थे, पिता- अच्छा, तो फिर तुमने उत्तर कैसे लिखे? बेटा- मैंने भी उत्तर ऐसे लिखे, जो मास्टर को पता नहीं थे।

चिंटू- एक बात बताओ, अगर सांडे और मंडे के बीच झगड़ा हो जाए तो कौन जीतेगा? नीटू- संडे, चिंटू- लेकिन भाई, ऐसा क्यों? नीटू- ऐसा इसलिए क्योंकि मंडे वीक डे है।

मास्टर जी- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। मास्टर जी- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!

पप्पू- मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका- मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

पत्नी- तुमने मेरे साथ धोखा किया है? पति - क्यों क्या हुआ? पत्नी- तुमने बताया ही नहीं कि तुम्हारी रानी नाम की पहले से एक पत्नी है। पति- ससुर जी को बताया तो था कि तुझे बिल्कुल रानी की तरह रखूंगा...

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराज अकबर से पूछते हैं, 'महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।'फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं, 'तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा, 'महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा, 'चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि ताकत की जगह दिमाग का इस्तेमाल करने से हर समस्या का हल मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ
कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन
धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क
बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह
कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या
रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला
किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

वृश्चिक
व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु
जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर
किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन
आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

बॉलीवुड | दुखद

अनुपमा फेम नितेश पांडे का कार्डियक अरेस्ट से निधन

अनुपमा में देविका के पति का किरदार निभाने वाले नितेश पांडे अब इस दुनिया में नहीं रहे। बीती रात 23 मई को कार्डियक अरेस्ट के कारण एक्टर की मौत हो गई। एक्टर की उम्र 51 साल थी। नितेश की मौत ने हर किसी को झकझोर के रख दिया है। पहले साराभाई वर्सेस साराभाई की एक्ट्रेस वैभवी उपाध्याय की मौत की खबर और अब एक्टर की मौत की खबर से इंडस्ट्री में मातम पसर गया है। राइटर सिद्धार्थ नागर ने एक्टर की मौत की खबर की पुष्टि की है। उन्होंने पहले फेसबुक पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। सिद्धार्थ ने कहा कि ये बात सच है, काश मैं इसे झूठ कह पाता। वह किसी इवेंट से लौट रहे थे तभी उनको नितेश पांडे के गुजरने की जानकारी मिली थी। राइटर ने बताया कि नितेश शूटिंग के लिए इगतपुर गए थे। वहां रात के करीब 1: 30 बजे उनको दिल का दौरा पड़ा था। नितेश पांडे का जन्म 17 जनवरी 1973 को हुआ था। वह फिल्मों और टीवी की दुनिया में लंबे समय से काम कर रहे हैं। नितेश टीवी जगत का जाना-माना नाम है। फिल्म ओम शांति ओम में वह शाहरुख खान के असिस्टेंट के किरदार में नजर आए थे। वहीं, दिशा परमार और नकुल मेहता स्टार शो प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यार में भी उन्हें काफी पसंद किया गया था। नितेश पांडे ने साल 1995 से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने तेजस, साया, मंजिलें अपनी अपनी, जुस्तजू, हम लड़कियां, सुनैना, कुछ तो लोग कहेंगे, एक रिश्ता साझेदारी का, महाराजा की जय हो, हीरो-गायब मोड ऑन करने के साथ-साथ अनुपमा में धीरज कपूर के रोल में दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा इन्होंने बधाई दो, मदारी, दबंग 2 जैसी फिल्मों में भी काम किया था।

टाइगर नागेश्वर राव में दिखा रवि तेजा की आंखों में रौब

क्रैक एंड किक फेम रवि तेजा तेलुगु के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। वे अपनी अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' से सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का फर्स्ट लुक आज लॉन्च हो गया है। मेकर्स ने आइकनिक हैवलॉक ब्रिज पर फिल्म का फर्स्ट लुक लॉन्च किया। इस फिल्म को The Kashmir Files और Karthikeya 2 के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस एक्शन ड्रामा में गायत्री भारद्वाज और नूपुर सेनन भी लीड रोल में है।

रवि तेजा का फर्स्ट लुक आज सोशल मीडिया पर रिलीज हुआ जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फर्स्ट लुक पोस्ट में रवि तेजा टाइगर की तरह रोर करते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में रौब है और चेहरे पर गुस्सा। मेकर्स ने रवि तेजा को India's biggest thief बताया है।

फिलहाल फैंस एक्टर की इस फिल्म के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। वामसी के डायरेक्शन में बनी पीरियड फिल्म कुख्यात चोर टाइगर नागेश्वर राव की लाइफ पर बेस्ड है। अपकमिंग ड्रामा को 1970 के दशक में सेट किया गया है। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म के टीजर को बॉलीवुड एक्टर जान अब्राहम ने अपनी आवाज दी है। हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ने इसका वीडियो आर्ट्स के इंस्टा अकाउंट से शेयर किया था। वीडियो में जॉन फिल्म के टीजर का वॉयसओवर करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अभिषेक ने कैप्शन में लिखा है, बॉलीवुड के हैंडसम हंक जॉन अब्राहम टाइगर नागेश्वर राव को हिंदी में अपनी आवाज में पेश करेंगे। फर्स्ट लुक 24 मई को। फिल्म में टाइगर नागेश्वर राव के अलावा प्रवीण दाचारम, रेणु देसाई, मांडवा साई कुमार और राजीव कुमार अनेजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जीवी प्रकाश कुमार ने फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी संभाली हैं जबकि आर मधी आईएससी सिनेमैटोग्राफी डिपार्टमेंटनेट संभाल रहे हैं। अविनाश कोल्ला प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और श्रीकांत विसा डायलॉग राइटर हैं।

पांच भाषाओं के पांच सुपरस्टार पेश करेंगे 'टाइगर नागेश्वर राव'

'द कश्मीर फाइल्स' और 'कार्तिकेय 2' के मेकर अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स की अपकमिंग पैन फिल्म टाइगर नागेश्वर राव 20 अक्टूबर 2023 में रिलीज होगी। इस फिल्म में 5 सुपरस्टार्स, तेलुगु से वेंकटेश, कन्नड़ से शिवा राजकुमार, हिंदी में जॉन अब्राहम, तमिल में कार्थी और मलयालम में दुलकर सलमान एक साथ आ रहे हैं और रवि तेजा को टाइगर नागेश्वर राव के रूप में पेश कर रहे हैं। इस फिल्म ने फैंस को सांस रोककर इंतजार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

फाइटर की शूटिंग में व्यस्त हैं दीपिका-ऋतिक

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण इन दिनों आगामी फिल्म फाइटर को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही दोनों इस फिल्म के एक इमोशनल सीन की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने वाले हैं। शूटिंग से कोई सीन लीक न हो इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। कोई सीन बाहर न आए, इसके लिए शूटिंग कम से कम क्रू के बीच की जाएगी

खबरों की मानें तो सिद्धार्थ आनंद, ऋतिक और दीपिका के इमोशनल सीन की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। चांदीवली में सोमवार से दोनों सितारों की शूटिंग शुरू हो गई है। यह सीन फिल्म के एक अहम मोड़ पर हैं। कहा जा रहा है कि सिद्धार्थ आनंद ने सेट पर न्यूनतम क्रू मेंबर रखे हैं। हालांकि, इस दौरान करीब 20 से 30 अतिरिक्त क्रू मेंबर को स्टैंडबाय पर रखा गया है। मुंबई में शूटिंग जून के मध्य तक हो जाएगी। इसके बाद टीम जुलाई में इंटरनेशनल लोकेशन पर शूटिंग के लिए रवाना होगी। विदेश में फिल्म के दो गानों की शूटिंग की जाएगी और इसके अलावा एक एक्शन क्लाइमेक्स भी शूट होगा। फाइटर में ऋतिक रोशन के किरदार शमशेर पठानिया उर्फ पैटी के देश के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलट बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा।

अगले साल होगी रिलीज

फिल्म में दीपिका पादुकोण भी फाइटर पायलट के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे। फिल्म फाइटर में पहली बार सुपरस्टार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की जोड़ी एक साथ नजर आएगी।

अजब-गजब | ब्लैक एंड व्हाइट टीवी पर ज्यादा सटीक दिखती थी ब्लैक-व्हाइट बाल

काली-सफेद क्यों हुआ करती थी फुटबॉल?

क्रिस्टियानो रोनाल्डो से लेकर मेसी तक, दुनिया में कई ऐसे महान फुटबॉलर्स हैं जिनके दीवाने सिर्फ उनके देशों में ही नहीं, अन्य देशों में भी मौजूद हैं। वैसे इन महान फुटबॉलर्स की लिस्ट बदलती रहती है और समय के साथ कोई नया फुटबॉलर चर्चा में आ जाता है। उसी प्रकार फुटबॉल का रूप-रंग भी पुराने समय से आज तक में काफी बदल गया है। एक दौर था जब फुटबॉल सिर्फ काली और सफेद रंग की हुआ करती थी। अब भले ही उसका रूप रंग काफी ज्यादा बदल दिया गया है। क्या आपने सोचा है कि आखिर फुटबॉल को काली-सफेद ही क्यों बनाया जाता था?

आज के वक्त में फुटबॉल सिर्फ एक खेल ना रह कर बहुत बड़ा ईवेंट बन चुका है। क्लब के मैचेज और अलग-अलग लीग्स को लोग दुनियाभर से टीवी के जरिए देखते हैं। इंटरनेशनल मैच को भी टीवी से देखकर आनंद उठाया जाता है। यही कारण है कि भारत में बैठा युवा भी अर्जेंटीना या पुर्तगाल का दीवाना हो जाता है। इन दर्शकों को ध्यान में रखते हुए फुटबॉल का रंग तय किया जाने लगा।

पहले भूरे रंग की होती थी गेंद

शुरुआती वक्त में फुटबॉल चमड़े से बनती थी और उसका रंग, चमड़े का आम रंग हुआ करता था। वो भूरे रंग के चमड़े से बनी होती थी। 1966 के विश्व कप तक फुटबॉल इसी तरह की नजर आती थी, जैसी यहां तस्वीर में दिख रही है। पर फिर धीरे-धीरे फुटबॉल मैच को टीवी पर टेलीकास्ट किया जाने लगा। जब टेलीकास्ट ज्यादा बढ़ने लगा तो दर्शक भी जुड़ने लगे और उनके अनुभव को बेहतर बनाने के बारे में सोचा जाने लगा। चमड़े का भूरा रंग, टीवी पर ना ही ज्यादा आकर्षक लगता था, और ना ही ब्लैक एंड व्हाइट टीवी वालों को साफ नजर आता था। बॉल कहीं गुम हो जाया करती थी।

इस वजह से किया गया बदलाव

ऐसे में बॉल का रंग भूरे से बदलकर काला और सफेद किया गया। 1970 में एडिडास कंपनी ने इस समस्या का समाधान किया। टेलस्टार (टेलीविजन स्टार) नाम की गेंद का उन्होंने आविष्कार किया जो काली-सफेद होती थी। इसे सबसे पहले 1970 के विश्व कप में इस्तेमाल किया गया था। सफेद बैक्राउंड पर ब्लैक रंग होने से गेंद का स्पिन लोगों को आसानी से समझ आने लगा था। बॉल का डिजाइन भी खास था। सफेद रंग के हेक्सागन (6 साइड वाला) पर काले रंग के पेंटागन (5 साइड वाला) बने थे। इस डिजाइन में अब कई तरह के बदलाव हो चुके हैं।

नहीं रहा दुनिया के सबसे लंबे नाक वाला शख्स, सूंघ सकता था दूर तक की चीज

मौत के आने का समय किसी को नहीं मालूम। अगर ऐसा होने लगे, तो इंसान अपनी लाइफ को एन्जॉय ही नहीं कर पाए। उसे हर वक्त आने वाली मौत का डर सताते रहेगा। लेकिन ये एक ऐसा सच है जिसे झुठलाया नहीं जा सकता। जिसने भी दुनिया में जन्म लिया है, उसे मौत का सामना करना ही है। इसी मौत ने अब अपनी आगोश में दुनिया के सबसे लंबे नाक वाले शख्स को ले लिया है। दुनिया के सबसे लंबे नाम का टाइटल लंबे समय से अपने नाम करने वाले Mehmet Özyürek की मौत हो गई है। Mehmet Özyürek को हार्ट अटैक आया था। इससे पहले की उनके दिल की सर्जरी की जाती, उनकी मौत हो गई। इसके बाद लोगों में दुःख की लहर फैल गई। Mehmet Özyürek की नाक 3.5 इंच की थी। वो 75 साल के थे। अचानक ही उन्हें दिल का दौरा आया और उनकी मौत हो गई। पिछले हफ्ते ही उनकी दिल की सर्जरी होने वाली थी। लेकिन इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। Mehmet Özyürek की नाक दुनिया में सबसे लंबी थी। इसी के साथ उनकी सूंघने की शक्ति बेमिसाल थी। उन्होंने 2021 में गिनीज रिकार्ड्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि दूसरों के मुकाबले उनकी सूंघने की शक्ति बेमिसाल है। जहां थोड़ी सी गंध लोगों को जिसका अहसास भी नहीं होता, वो उनकी नाक में बड़ी तेज आती थी। जैसे ही वो अपने घर में घुसते थे, तुरंत पकड़ लेते थे कि क्या पका है? लंबे नाक का वरदान उन्हें विरासत में मिला था। उनके परिवार वालों की नाक भी इतनी ही लंबी थी। लेकिन अब वो हमारे बीच नहीं हैं।

अदालती आदेशों को लागू करवाए केंद्र व सीजेआई : राष्ट्रपति

» महामहिम अदालतों से बोलीं, बाहरी मामलों से निपटने के लिए एक प्रणाली तैयार किया जाय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र सरकार और प्रधान न्यायाधीश के साथ-साथ अन्य हितधारकों से कहा कि वे उन मामलों से निपटने के लिए एक प्रणाली तैयार करें जहां अदालत का फैसला लागू नहीं होता है। राष्ट्रपति ने यहां झारखंड उच्च न्यायालय के नए भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को सही मायने में न्याय मिले।

मुर्मू ने कहा, ''प्रधान न्यायाधीश (डॉ डीवाई चंद्रचूड़) और केंद्रीय कानून मंत्री (अर्जुन राम मेघवाल) और कई वरिष्ठ न्यायाधीश यहां मौजूद हैं। उन्हें उन मामलों से निपटने के लिए एक प्रणाली तैयार करनी चाहिए जहां (अदालत के) फैसले लागू नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रधान न्यायाधीश और सरकार से आग्रह करेंगी कि वे ''यह सुनिश्चित करें कि लोगों को सही अर्थों में न्याय दिया जाए। राष्ट्रपति ने कहा कि अनुकूल फैसला आने के बाद भी लोगों की खुशी कभी-कभी अल्पकालिक होती है, क्योंकि अदालत के आदेश लागू नहीं होते हैं। उन्होंने कहा, कि (न्याय तक) पहुंच के कई पहलू हैं, लागत इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है, यह देखा गया है कि मुकदमेबाजी के खर्च अक्सर कई नागरिकों के लिए न्याय की खोज को पहुंच से बाहर कर देते हैं , मैं सभी हितधारकों से आग्रह करती हूं कि वे नए तरह से सोचें और न्याय की पहुंच का विस्तार करने के नए तरीके खोजें।

झारखंड को हाईकोर्ट के नये भवन एवं परिसर की सौगात दी

इससे पूर्व तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड को उच्च न्यायालय के नये भव्य भवन एवं परिसर की सौगात दी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में स्थानीय भाषा का अधिक से अधिक उपयोग होना चाहिए, इससे लोगों का न्यायिक प्रक्रिया में भरोसा बढ़ेगा। उच्च न्यायिक सेवा में आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधित्व पर चिंता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यों की न्यायिक सेवा में आदिवासियों के लिए आरक्षण लागू करने की बात कही।

न्यायिक व्यवस्था में आस्था रखें नागरिक : डीवाई चंद्रचूड़

न्यायिक व्यवस्था में देश के नागरिकों की आस्था का उल्लेख करते हुए देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के नागरिकों को भारत की न्यायिक व्यवस्था में इस आस्था को कायम रखने की जरूरत है। मुर्मू ने अपने संबोधन के दौरान हिंदी में बोलने के लिए प्रधान न्यायाधीश की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि न्याय की भाषा समावेशी होनी चाहिए। मुर्मू ने यह भी कहा कि महंगी मुकदमेबाजी प्रक्रिया अक्सर न्याय को आम लोगों की पहुंच से बाहर रखती है।

अब्बास अंसारी पर एसटीएफ ने दाखिल की चार्जशीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» विदेशी असलहे खरीदने का मामला

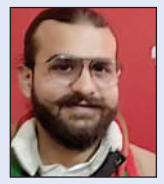

लखनऊ। गैरकानूनी तरीके से शस्त्र लाइसेंस हासिल कर उससे आठ प्रतिबंधित बोर के विदेशी असलहे खरीदने के मामले में यूपी एसटीएफ ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मऊ से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ अनुपूरक आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। इसमें अवैध तरीके से शस्त्र लाइसेंस हासिल करने, विदेश से असलहे लाने और बिना अनुमति लाइसेंस पर आठवां शस्त्र लाकर च?वाने के आरोपों की पुष्टि की गई है।

एमपी-एमएलए कोर्ट में एसटीएफ के विवेचक ने अनुपूरक आरोप पत्र के साथ दिल्ली पुलिस, लखनऊ पुलिस, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की कस्टम विंग और यूपी राइफल एसोसिएशन के मूल दस्तावेज भी सौंपे हैं। साथ ही, 15 सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयानों की प्रति भी दी है। एसटीएफ के इस कदम के बाद अब्बास अंसारी की मुश्किलें बढ़ना तय माना जा रहा है। दरअसल अब्बास अंसारी के अवैध शस्त्र लाइसेंस प्रकरण में जांच के घेरे में आए दिल्ली पुलिस के अधिकारियों, कस्टम अधिकारियों और लखनऊ के तत्कालीन डीएम अनुराग यादव, पुलिस अधिकारियों और असलहा बाबू के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने की एसटीएफ सिफारिश कर चुकी है। इन सभी के खिलाफ विभागीय जांच जारी है। इस प्रकरण का मुकदमा 12 अक्तूबर 2019 को राजधानी की महानगर कोतवाली में दर्ज हुआ था, जिसके बाद शासन ने इसकी जांच एसटीएफ के सुपुर्द कर दी थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में इसकी जांच के दौरान अब्बास के सारे असलहों को जमा करा लिया गया था। वहीं एसटीएफ के बढ़ते दबाव के बाद दिल्ली पुलिस ने अब्बास का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया था।

गोरखपुर में दर्दनाक हादसा, तीन की मौत और आठ घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। गोरखपुर के गोला में चालक को झपकी आने से पिकअप अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। सभी अंतिम संस्कार से लौट रहे थे।

हादसा गोला थाना क्षेत्र के गोपालपुर-माल्हनपार मार्ग पर स्थित परसिया रावत गांव के पास बुधवार की रात करीब 10.30 बजे हुआ। मरने वालों की पहचान सिकरीगंज थाना क्षेत्र के उड़री गांव निवासी रामलखन (75), इसी गांव के किशन (14) व महदेवा पिड़रा गांव के विश्वनाथ (65) के रूप में हुई है। घायलों में श्रीराम (65), रामनवल (55) और सूरज (17) की हालत चिंताजनक बनी हुई है। किशन (25), प्रिंस (16), हिमालय (15), सोनू (20) व कुल्लू (60) गंभीर रूप से घायल हैं। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

प्रदेश में आंधी-बारिश, गर्मी से मिली राहत

अगले दो दिनों के लिए येलो व ऑरेंज अलर्ट, कई इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के कई इलाकों में बृहस्पतिवार की सुबह-सुबह हल्की आंधी और बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए आंधी और बारिश को लेकर येलो व आरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

आगरा, अलीगढ़, औरैया, बिजनौर, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, हाथरस, कासगंज, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, आजमगढ़, बलिया, बांदा, बुलंदशहर, चित्रकूट, देवरिया, फतेहपुर, गोरखपुर, कौशांबी, मऊ, प्रतापगढ़, प्रयागराज व संत कबीरनगर, सिद्दार्थनगर, श्रावस्ती व आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अगले दो दिन प्रदेश में तेज हवाएं-आंधी चल सकती हैं। प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में 40-50 तो पश्चिम में इसकी रफ्तार 50-60 किमी प्रति घंटा रह सकती है। तापमान में भी 4 से 6 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

बारिश-बदली से गिरा पारा

इन सबके बीच प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज हवाएं चलने, बादलों के छाए रहने के कारण बुधवार को दिन के अधिकतम पारे में गिरावट दर्ज की गई। मेरठ, बागपत, हापुड़, बुलंदशहर और आसपास के इलाकों में बुधवार को गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश ने भिगोया तो लोगों को तपन से मामूली राहत भी मिली। इन स्थानों पर एक मिमी से भी कम बारिश हुई।

आकाश ने लखनऊ को दिखाई जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस की जमकर दादागिरी चली। एकतरफा मुकाबले में रोहित की पलटन ने लखनऊ सुपर जायंट्स ने 81 रन से रौंदा। इस जीत के साथ मुंबई ने छठी बार चैंपियन बनने की ओर एक और कदम बढ़ा लिया है। चेपॉक के मैदान पर मुंबई का प्रदर्शन हर विभाग में टॉप क्लास रहा। बल्लेबाजों ने पहले स्कोर बोर्ड पर 182 टांगे, तो इसके बाद टीम के गेंदबाजों ने यादगार अंदाज में जीत की कहानी लिखी।

81 रनों से रौंदा मुंबई इंडियंस ने सुपर जाइंटस को

आकाश मधवाल मुंबई इंडियंस की इस यादगार जीत के सबसे बड़े नायक रहे। आकाश ने अपने 3.3 ओवर के स्पैल में महज 5 रन खर्च करते हुए पांच विकेट अपने नाम किए। आकाश आईपीएल इतिहास के पहले गेंदबाज बने, जिन्होंने एलिमिनेटर मैच में पांच विकेट झटके। गेंद से अगर आकाश ने कमाल दिखाया, तो बल्ले से मुंबई की जीत की कहानी कैमरून ग्रीन के बल्ले से आई। ग्रीन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों पर 41 रन बनाए। ग्रीन ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अपनी तूफानी पारी के दौरान 6 चौके और एक छक्का जमाया। ग्रीन के बल्ले से यह पारी उस समय पर निकली, जब रोहित और ईशान किशन सस्ते में पवेलियन लौट चुके थे। ग्रीन का भरपूर साथ सूर्यकुमार यादव ने भी निभाया। सूर्या ने मुंबई की पारी को वो मोमेंटम दिया, जिसकी टीम को सख्त दरकार थी। सूर्या ने 20 गेंदों पर 33 रन की आतिशी पारी खेली। इस दौरान सूर्यकुमार ने ग्रीन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए महज 38 गेंदों पर 66 रनों की अहम साझेदारी निभाई। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतरे नेहल वढेरा ने आखिरी ओवरों में मुंबई इंडियंस की पारी को फिनिशिंग टच दिया। नेहल ने 191 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 12 गेंदों पर 23 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस दौरान नेहल के बल्ले से दो चौके और दो गगनचुंबी छक्के निकले। क्रि स जोर्डन क्रिस जोर्डन ने मुंबई इंडियंस को इनफॉर्म बल्लेबाज काइल मेयर्स का विकेट दिलाया। मेयर्स अगर क्रीज पर खड़े रहते, तो शायद मैच की कहानी कुछ और भी हो सकती थी। जोर्डन ने लखनऊ के बल्लेबाज को 18 के स्कोर पर पवेलियन की राह दिखाई। इंग्लिश गेंदबाज ने अपने दो ओवर के स्पैल में सिर्फ 7 रन खर्च किए और एक ओवर मेडन भी फेंका।

गलत परंपरा की शुरुआत कर रही भाजपा : रामगोपाल यादव

नई संसद के उद्घाटन पर कहा- प्रधानमंत्री नहीं राष्ट्रपति करें उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

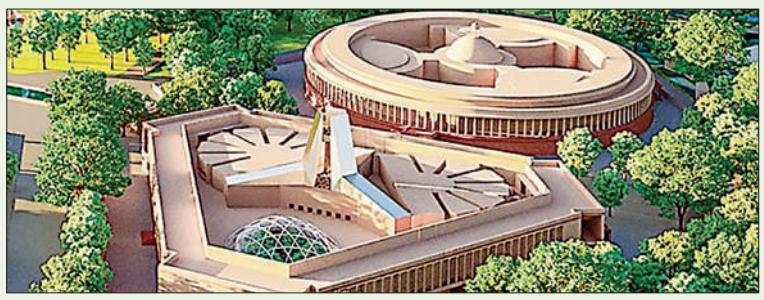

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग एकदम सही है, क्योंकि संसद का मतलब राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा से होता है। ऐसे में प्रधान राष्ट्रपति होता है, इसलिए संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति को ही करना चाहिए।

सपा नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि कि विपक्ष सही कह रहा है, क्योंकि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 79 में ये लिखा है कि संसद का मतलब राष्ट्रपति, लोकसभा और राज्यसभा होता है, राष्ट्रपति विधानमंडल का प्रधान होता है, वो प्रधानमंत्री से ऊपर होता है, राष्ट्रपति का पद जिसके बिना संसद की परिभाषा ही अधूरी है अगर उसके द्वारा संसद का उद्घाटन नहीं होगा या वो उद्घाटन में आमंत्रित भी नहीं होगें तो ये गलत है और ये गलत परंपरा की शुरुआत है। सपा नेता ने कहा कि एक तरफ तो आप ये कहते हैं कि हमने आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया और वहीं दूसरी तरफ आप उनसे जो असली, पूरा देश और दुनिया देखी उस इमारत का उद्घाटन करने नहीं देना चाहते, ये अच्छा नहीं है इसलिए विपक्ष का जो फैसला है वो एकदम सही ह, मैं उनके साथ पूरी तरह सहमत हूं।

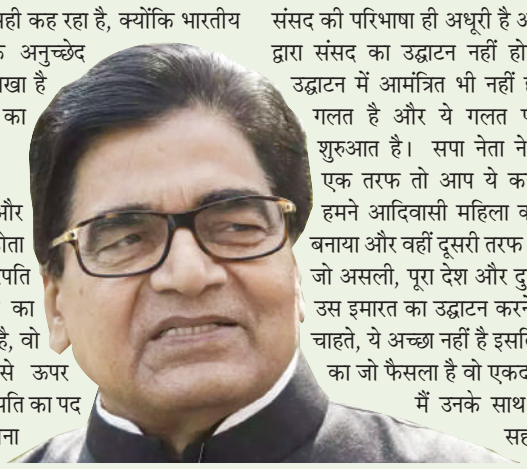

'पीएम मोदी आदिवासी महिला राष्ट्रपति का कर रहे अपमान'

खंडवा। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के सीनियर नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो नए संसद भवन के शिलान्यास में और न ही उद्घाटन में महामहिम राष्ट्रपति को बुलाया जा रहा है। हमारी आदिवासी महिला राष्ट्रपति का जो अपमान हुआ है, उसके कारण विपक्ष इस आयोजन में सम्मिलित नहीं हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के डीके वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा, नरोत्तम मिश्रा के बयानों को वे गम्भीरता से नहीं लेते। यहां तक कि वे उनके बयान भी सुनना पसंद नहीं करते। उनकी बात में न तो गंभीरता है और न ही राजनीति। वे केवल झूठे प्रकरण बनवाने में ही माहिर हैं।

बहिष्कार दुर्भाग्यपूर्ण व गैर जिम्मेदाराना : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 28 मई को देश के नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर को लेकर की जा रही बयानबाजी को दुर्भाग्यपूर्ण, गैर जिम्मेदाराना और लोकतंत्र को कमजोर करने वाला बताया है। उन्होंने कांग्रेस व विपक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक और गर्व करने वाले क्षण पर इस तरह की बयानबाजी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यह हरकत लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है। नई संसद भवन अगले 100 वर्ष को ध्यान में रखकर अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार की गई है। इस मौके पर भी सभी दलों को शामिल होकर देश के लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए।

शायर मुनव्वर राना की हालत नाजुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राना की हालत बहुत नाजुक है। उन्हें लखनऊ स्थित अपोलो अस्पताल में जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। राना (70) की बेटी सुमैया राना ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनके पिता का पिछले मंगलवार को अपोलो अस्पताल में पित्ताशय का ऑपरेशन हुआ था, जिसके बाद से उनकी तबीयत बिगड़ गई।

सुमैया के अनुसार, उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि गले के कैंसर से पीड़ित राना का डायलिसिस भी होता है। अस्पताल में डायलिसिस के लिए लाने पर उन्हें हो रही दिक्कत के मद्देनजर उनका सीटी स्कैन कराने पर पता लगा कि पथरी की वजह से उनका पित्ताशय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. परसों उनका ऑपरेशन किया गया, लेकिन फिर उनकी तबीयत संभल नहीं पा रही। गौरतलब है कि रायबरेली जिले के मूल निवासी मशहूर शायर राना को वर्ष 2014 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मां पर लिखी अपनी रचनाओं से शायर राना ने देश-विदेश में खूब ख्याति अर्जित की।

फोटो :4 पीएम

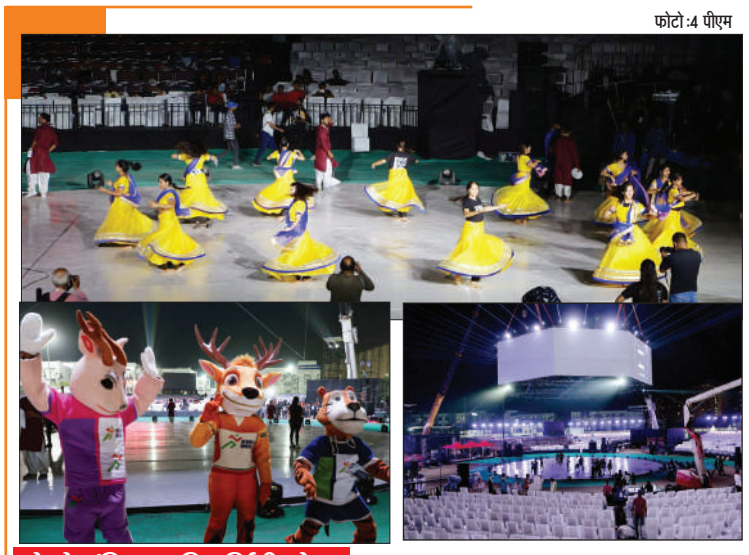

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) उत्तर प्रदेश (यूपी) के शानदार उद्घाटन समारोह के लिए राजधानी लखनऊ पूरी तरह से तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आज शाम को खेलों के उद्घाटन की घोषणा वर्चुअली रूप से करेंगे। मुख्यमंत्री योगी व आदित्यनाथ केंद्रीय युवा मामले और खेल एवं सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर भी शामिल होंगे।

दो ट्रकों की भिड़ंत चार लागों की मौत

» महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, 150 भेड़ों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत की खबर है। दरअसल भेड़ों को ले जा रहा एक ट्रक, महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में दूसरे ट्रक से टकरा गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रकों में सवार चार लोग और 150 भेड़ें इस हादसे में मारी गईं। हादसे के चलते नांदेड़-कलामनुरी मार्ग पर कुछ देर तक ट्रैफिक भी बंद रहा। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रास्ता साफ कराया, जिसके बाद फिर से सड़क यातायात बहाल हो सका।

एलजी के खिलाफ आप सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

» यमुना पर बनी समिति में एलजी को नामित करने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र और आम आदमी पार्टी सरकार में जारी विवाद के बीच दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को यमुना पर बनी उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) का अध्यक्ष नियुक्त करने के एनजीटी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका में एनजीटी के आदेश को रद्द करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत के हालिया फैसले का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि एनजीटी के आदेशों का प्रभाव उस प्राधिकरण को कार्यकारी शक्तियां प्रदान करना नहीं हो सकता है, जिसे सांविधानिक योजना के तहत प्रदान नहीं किया जा सकता है। इसलिए इस आदेश पर रोक लगाई जाए। एनजीटी ने यह देखते हुए कि यमुना नदी के कायाकल्प के लिए काम अधूरा रह गया है, इसके लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था और दिल्ली के उपराज्यपाल से समिति का नेतृत्व करने का अनुरोध किया था।

रकबर खान मामले में चार दोषियों को सात साल की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के रकबर खान मॉब लिंचिंग मामले में गुरुवार को अलवर की कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने मामले में चार दोषियों को सात-सात साल की सजा सुनाई है।

वहीं, एक दोषी को बरी कर दिया है। जिन दोषियों को सजा सुनाई गई, उनका नाम परमजीत, धर्मेन्द्र, नरेश और विजय है। न्यायाधीश सुनील गोयल ने अपना फैसला सुनाया है। आरोपी नवल किशोर को कोर्ट ने बरी किया है। रकबर खान मॉब लिंचिंग का मामला करीब पांच साल पुराना है। 20 जुलाई 2018 को अलवर में रकबर खान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत में बहनों का भी योगदान हो : मुख्यमंत्री

» सीएम योगी ने किया 'समर्थ 2023' का शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। भ्रष्टाचार मुक्त भारत में बहनों का भी योगदान हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनेक योजना शुरू की। इसी के तहत प्रधानमंत्री ने जनधन योजना के तहत खाता खुलवाये। आज उसके परिणाम सामने हैं।

ये बातें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। वे ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लेन-देन के प्रोत्साहन के लिए 'समर्थ 2023' का शुभारंभ और बी.सी. सखी के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। हमें भ्रष्टाचार पर प्रहार के डिजीटलाइजेशन पर जाना ही होगा। उसका प्रयोग करना ही होगा। अब तक उत्तर प्रदेश में ग्रामीण और शहरी इलाकों में साढ़े चौवन लाख गरीबों को आवास दिया गया है। वह पूरा पैसा लखनऊ में बैठकर एक क्लिक से सीधे उनके खाते में जाता है। बिना किसी बैरियर के बिना किसी रूकावट तक गरीबों तक पैसा जाना ही सुशासन का लक्ष्य है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।